लौट आओ प्रिय अपने देश

सुहाना आया फागुन मास,
प्रेम का लाया है सन्देश।
सताती पल-पल तेरी याद,
लौट आओ प्रिय अपने देश।।

सुनाती कोकिल मधुरिम गीत,
देख सुन्दर पलाश के फूल।
अनूठा उपवन का है दृश्य,
मुझे लगते जैसे हों शूल।।

गए थे वादा करके मीत।
भूल क्या उसे गए प्राणेश।।
सताती पल-पल तेरी याद,
लौट आओ प्रिय अपने देश।।

दमकने लगा केसरी रंग,
कि जैसे दहक रही हो आग।।
देख कर कलियों की मुस्कान,
महकने लगा हृदय का बाग।।

देखती हूँ मैं तेरी राह,
सँवारो मेरा आकर वेश।।
सताती पल-पल तेरी याद,
लौट आओ प्रिय अपने देश।।

शेष फ्लैप 2 पर .....

फ्लैप 1 का शेष.....

भाल पर भू के खिले पलाश,
प्रकृति का अद्भुत है शृङ्गार।
देख शरमाते कोमल फूल,
भ्रमर करते उनसे मनुहार।

गए तुम जबसे मुझको छोड़
खुलें हैं मेरे तबसे केश
सताती पल-पल तेरी याद,
लौट आओ प्रिय अपने देश।

अधिक मत तड़पाओ अब मीत,
शीघ्र आ जाओ मेरे पास।
प्यार की पिचकारी को मार,
आज भर दो रंगों का हास।।

सहन करने को और वियोग,
न मुझमें शक्ति बची लवलेश।
सताती पल-पल तेरी याद,
लौट आओ प्रिय अपने देश।।

इसी पुस्तक से.....

डॉ. भावना एन. सावलिया

माता : वनिता बहन नानजीभाई सावलिया
पिता : नानजीभाई टपुभाई सावलिया
स्थायी पता : हरमडिया, वाया ता. गोंडल, जिला-राजकोट, सौराष्ट्र (गुजरात)
मोबाइल : 8849942456 (व्हाट्सएप)
ईमेल : savaliabhavna501@gmail.com
शिक्षा : एम. ए., एम.फिल., पीएच.डी., जीसेट
सम्प्रति : प्रोफेसर, आर्ट्स कॉलेज मोडासा, जिला अरवल्ली (गुजरात)

प्रकाशित पुस्तकें : (1) "महादेवी वर्मा के समग्र साहित्य में नारी चेतना" 2013
(2) "कविता सागर" (काव्य संग्रह) 2017,
(3) "जब से चार हुई हैं अँखियाँ" (छन्दबद्ध काव्य-संग्रह) 2022

प्रकाशित रचनाएँ : राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में 45 से अधिक शोध-पत्र प्रकाशित
150 से अधिक पद्य रचनाएँ साझा संकलनों में और विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित

प्रकाश्य : (1) हमसफर (काव्य संग्रह), (2) साहित्यिक बिन्दु (आलोचनात्मक ग्रन्थ)
(3) महादेवी वर्मा के गद्य साहित्य का तात्त्विक विवेचन (आलोचना)

अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड : विश्व हिन्दी लेखिका मंच द्वारा "महादेवी वर्मा मेमोरियल अवार्ड" इन्दौर, 2019
अन्तर्राष्ट्रीय सोशल मीडिया मैत्री सम्मेलन "विशिष्ट प्रतिभा सम्मान" भीलवाड़ा (राज.) 2019
"अग्निशिखा" साहित्य गौरव सम्मान, मुम्बई, 2019
विश्व हिन्दी साहित्यकार मंच, भोपाल, "मातृभूमि सम्मान" 2019
साहित्य शिरोमणि सम्मान, वर्धा 2020
विश्व हिन्दी लेखिका मंच द्वारा "श्रेष्ठ कवयित्री सम्मान" दिल्ली, 2020

राष्ट्रीय अवार्ड : "राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज नेशनल अवार्ड" जलगाँव 2013
गंगा ज्ञानेश्वरी गौरव, जलगाँव 2015
राष्ट्रीय अमृतादित्य गौरव अवार्ड, जलगाँव 2018
"साहित्यश्री" सम्मान, नासिक 2019, "काव्य रत्न" अवार्ड गुजरात 2020
"छन्द शिल्पी सम्मान" बाड़ी धौलपुर (राजस्थान) 2021
"साहित्य वारिधि" उपाधि अ.भा.हि.सा.गु. अहमदाबाद 2022
"छन्द प्रभा" सम्मान 2022
"साहित्य शिरोमणि" सम्मान, इन्दौर 2022
"स्व. महादेवी वर्मा" सम्मान और पुरस्कार (धनराशि, 5,001/-), नासिक 2023
वर्ष 2023 की कहानी-लेखन-प्रतियोगिता में इनडेक्स फाउण्डेशन एवं कैफे सोशल, मुम्बई द्वारा रु. 21,000/- का प्रथम पुरस्कार

अन्य सम्मान : (1) ज्ञान प्रतिभा सम्मान, जामनगर, सौराष्ट्र 2013
(2) लेखन प्रतिभा सम्मान, जामकंडोरणा, सौराष्ट्र 2014
(3) सारस्वत सम्मान, राजकोट, सौराष्ट्र 2017

Also available on: amazon.in
Shubhanjali Prakashan
₹=300/-

लौट आओ प्रिय अपने देश • डॉ. भावना एन. सावलिया

लौट आओ प्रिय अपने देश

(गीत-सङ्ग्रह)

डॉ. भावना एन. सावलिया

Shubhanjali Prakashan

Scanned by CamScanner

9 789356 490437 >
ISBN : 978-93-5649-043-7

© डॉ. भावना एन. सावलिया
(सर्वाधिकार लेखकाधीन)

ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી

गुजरात साहित्य अकादमी के
आर्थिक सहयोग से प्रकाशित

प्रकाशक :

शुभाञ्जलि प्रकाशन
28/11, अजीतगंज कॉलोनी,
टी. पी. नगर, कानपुर-208023
मोबाइल : +91 8707872316
subhanjaliprakashan@gmail.com

संस्करण :

प्रथम - 2023

प्रतियाँ :

तीन सौ

मूल्य :

पेपरबैक : ₹ 300/- (रुपये तीन सौ मात्र)

आवरण सज्जा :

इंजी. रिन्की चन्द्रा

शब्द-सज्जा :

विद्या ग्राफिक्स, कानपुर

Laut Aao Priy Apne Desh (Song Collection)
By : Dr. Bhavna N. Savalia

समर्पण

पिता-माता के शुभ आशीष, सदा हरते जीवन के क्लेश।
मुझे उनके जीवन से आज, मिला व्यवहारों का उपदेश।
लोकहित का पाकर संस्कार, मिली मुझको पहचान विशेष।
समर्पित उनको मेरे गीत, 'लौट आओ प्रिय अपने देश'।।

- डॉ. भावना एन. सावलिया

Scanned by CamScanner